http://www.sgbauonline.com

B.Com. (Part - III)

Sanskrit Compulsory (Languages)

P. Pages : 2 | AS - 0664 A

Time : Two Hours | * 0 2 4 5 * | Max. Marks : 35

Note : Write answers in the medium offered.

सूचना :- उत्तरे स्वीकृत माध्यमातून लिहावीत.

सूचना :- उत्तर स्वीकृत माध्यम में लिखिए।

1. Translate **any two** of the following : 10
कोणत्याही दोन श्लोकांचा अनुवाद करा.
किन्ही दों पद्यांशों का अनुवाद कीजिए।

i) मुनिजनशिशुरेकः सर्वतः सैन्यकाये
नव श्व रघुवंशस्याप्रसिध्दः प्ररोहः।
दलितकरिकपोल ग्रन्थिटङ्कार घोर-
ज्वलितशरसहस्रः कौतुकं मे करोति।।

ii) अत्यभ्दुतादसि गुणातिशयात्प्रियो मे
तस्मात्सखा त्वमसि यन्मम तत्तवैव।
तत्किं निजे परिजने कदनं करोषि
नन्वेष दर्पनिकषस्तव चन्द्रकेतुः।

iii) जातस्य ते पितुरपीव्रजितो निहन्तु
'वत्सस्य वत्स कति नाम दिनान्यमूनि।
तस्याप्यपत्यमनुतिष्ठति वीरधर्मं
दिष्ट्या गतं दशरथस्य कुलं प्रतिष्ठम् ।।

2. Answer **any one** of the following questions. 10
खालीलपैकी **कोणत्याही एका** प्रश्नाचे उत्तर लिहा.
निम्नलिखित में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए।

i) Sketch the character of कुश
कुशाचे स्वभावचित्रण करा.
कुशका स्वभावचित्रण कीजिए।

OR/किंवा/अथवा

ii) Describe the conversation between चन्द्रकेतु and लव.
चन्द्रकेतू आणि लव यांच्यातील संभाषणाचे वर्णन करा.
चन्द्रकेतू और लव के बीच में हुए संभाषण का वर्णन कीजिए।

http://www.sgbauonline.com

http://www.sgbauonline.com

3. Translate **any two** shlokas at the following. **10**
खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** श्लोकांचा अनुवाद करा.
निम्नलिखित में से **किन्ही दो** पद्यांशोंका अनुवाद कीजिए।

i) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।
कदाचिदपि पर्यटन् शशविषाणमासादयेत्
न तु प्रतिनिविष्ट मूर्खजनचित्तमाराधयेत् ।।

ii) येषां न विद्या न तपो न दानं
दानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुविभारभूताः
मनुष्यरुपेण मृगाश्चरन्ति।।

4. Recognise the forms **any five**. **5**
रुपे ओळखा **कोणतीही पाच.**
रुप पहचानिए **कोई भी पांच।**

1) नेतृभिः। 2) पितरः।

3) सर्वेण। 4) सर्वासाम्।

5) अपठः। 6) प्राबुध्यत।

7) व्यचिन्तयत् । 8) कोपिष्यन्ति।

****

http://www.sgbauonline.com